।। श्री अम्बा जी की आरती ।।

ॐ जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी ।

तुमको निशदिन ध्यावत, हरि ब्रह्मा शिवरी ।।

मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को,

उज्जवल से दोउ नैना, चन्द्र वदन नीको ।॥ॐ जय ..।

कनक समान कलेवर रक्ताम्बर राजै,

रक्त-पुष्प गल माला, कंठन पर साजै ।। ॐ जय ..।

केहरि वाहन राजत खड्ग खप्पर धारी,

सुर-नर-मुनि-जन सेवत, तिनके दुःखहारी ।। ॐ जय .।

कानन कुंडल शोभित नासाग्रे मोती,

कोटिक चंद्र दिवाकर, राजत सम ज्योति ॥ ॐ जय ..

शुम्भ निशुम्भ बिदारे महिषासुर घाती,

धूम्र विलोचन नैना, निशदिन मदमाती ।। ॐ जय ..।

चण्ड मुण्ड संहारे, शोणित बीज हरे,

मधु-कैटभ दोउ मारे, सुर भयहीन करे ।। ॐ जय ..।

ब्रह्माणी, रुद्राणी, तुम कमला रानी,

आगम निगम बखानी, तुम शिव पटरानी ।। ॐ जय ..।

चौंसठ योगिनी मंगल गावत,नृत्य करत भैंरो,

बाजत ताल मृदंगा, और बाजत डमरु ॥ ॐ जय ..।

तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता,

भक्तन की दुःख हरता सुख संपत्ति करता ।। ॐ जय ..।

भुजा चार अति शोभित वर-मुद्रा धारी,

मनवांछित फल पावत, सेवत नर-नारी ॥ ॐ जय ..।

कंचन थाल विराजत, अगर कपूर बाती,

श्रीमालकेतु में राजत, कोटि रतन ज्योति ॥ ॐ जय ..।।

श्री अम्बे जी की आरती, जो कोई नर गावै,

कहत शिवानंद स्वामी, सुख-संपत्ति पावै ॥ ॐ जय ..

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड .-
AtoZpe.in